ई.सी.ओ.–01

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
2023–24

वाणिज्य में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
ई.सी.ओ. – 01 : व्यवसायिक संगठन

जुलाई 2023 तथा जनवरी 2024 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–**110068**

वाणिज्य में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
ई.सी.ओ. – 01 : व्यवसायिक संगठन

सत्रीय कार्य – 2023–24

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2023 और जनवरी 2024)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2023,** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2024** तक है।

2. जो **जनवरी 2024,** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसम्बर 2024** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इसे **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**ई. सी. ओ. -01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	व्यवसायिक संगठन
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**ई. सी. ओ. -01/टी. एम. ए./ 2023-2024**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. वाणिज्य से आप क्या समझते हैं ? उपयुक्त उदाहरण देकर वाणिज्य के वर्गीकरण का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। (2+18)

2. आधुनिक समाज में स्टॉक एक्सचेंज का क्या महत्व है ? संक्षेप में इसका वर्णन कीजिए। इसकी कमियों को भी बताइए। (10+10)

3. विज्ञापन के माध्यमों से आपका क्या तात्पर्य है ? विज्ञापन के लिये माध्यमों के महत्व की व्याख्या कीजिए। (2+18)

4. 'बैंकर' शब्द की परिभाषा दीजिए। बैंकर और उसके ग्राहक में क्या संबंध होता है ? (2+18)

5. निम्नलिखित वक्तव्यों पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए : (4X5)

क) आर्थिक कार्यकलाप वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन, विनिमय एवं वितरण से संबंधित होते हैं।

ख) संसद अथवा विधान सभा में पारित विशेष अधिनियम के आधार पर संस्थापित कंपनी 'सांवधिक कंपनी' कहलाती है।

ग) पूंजी बाजार का आशय व्यक्तियों और संस्थाओं के बीच होने वाले उन लेन – देनों से होता है जिनमें दीर्घकालीन पूंजी की प्राप्ति एवं आपूर्ति निहित होती है।

घ) फुटकर व्यापार के अंतर्गत अधिकतर माल सीधे उपभोक्ताओं को उनके उपभोग अथवा प्रयोग हेतु बेचा जाता है।